

सीटू कोल फेडेरेशन के राष्ट्रीय सम्मेलन में रांची पहुंचे लाल झंडा कोल माइंस के मजदूर



गुरुदी अंबाड़ा देशबन्धु। झारखण्ड की राजधानी रांची में सीटू साठन से संलग्न 23 संगठनों के कोल फेडेरेशन एआईसीडब्ल्यूएफका 11वां राष्ट्रीय सम्मेलन अंड्ह्रप्रदेश मार्च से 30 मार्च 2025 रविवार तक सीमणीडीआई मुख्यालय रांची के मसूरी सभागृह में सम्पन्न हो रहा है। इसमें बैकलीला लाल झंडा कोल माइंस मजदूर यूनियन के ग्यारह प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

इसमें बैकोलीला अध्यक्ष जगदीश डिगरसे, महासचिव जी. रमना, कामेश्वर राय, सहित कन्हान पैंच क्षेत्र से क्षेत्रीय

सचिव कामरेड अशोक भारती को शामिल होने का अवसर प्राप्त हुआ। जिसमें एआईसीडब्ल्यूएफ महासचिव कामरेड डी.डी. रामानन्दन की रिपोर्ट पेश करने पर चर्चा में भाग लेते हुए कुछ प्रस्ताव और सुझावों को जोड़ते की बात खींची जिसमें ठेकेदारी कामगारों को आंदोलन और संगठित होने पर रोजगार का खतरा बढ़ा जाता है, इस पर विचार किया जाए।

ठेकेदारी कामगारों को एचपीसी के तहत बेतन भुगतान आज भी नहीं होने का मुद्दा उत्तराया। कोयला उत्तराय को बचाने केंद्र सरकार और राज्य सरकारों से नवी

कोयला खदानों को शुरू करने में सीटू यूनियन के राष्ट्रीय और केंद्रीय नेतृत्व द्वारा उचित और सकारात्मक पहल पर जोर दिया जाए। मजदूरों के हक लालौइ में सीटू सबसे ज्यादा मजबूती से खड़ी रहती है। उसी तरह सदस्यता में भी आगे निकले उसके लिए न्यायालिंग हल और तरीके में पहल करने सुझावों पर विचार किया जाए।

सक्रिय कार्यकर्ता और मजबूत प्रतिनिधियों को राजनीतिक रूप से तैयार करने के लिए प्रशिक्षण शेड्यूल जारी किया जाये। अपनी विचारधारा को लोगों तक पहुंचाने में कार्यक्रमों का प्रोग्राम और केंद्र जारी किया जाये। और उसके सभी क्षेत्रों को पालन करने पर जोर दिया जाता है, इस पर विचार किया जाए।

सम्मेलन में शामिल प्रतिनिधि अपने क्षेत्रों में पहुंचने पर जोश और तैयारी के साथ कार्य करने पर सम्मेलन की पूर्ण सफलता की शुभकामनाओं के साथ समर्थन देते हुए अपनी बात खींची जाए।

विधि महाविद्यालय में जनजाति नायकों पर कार्यशाला



छिन्दवाड़ा, देशबन्धु। शासकीय विधि महाविद्यालय छिन्दवाड़ा में शनिवार को स्वतंत्रता संग्राम में जनजाति नायकों के योगदान से विद्यार्थियों को परिचित करने के उद्देश्य से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुवात विधिवत मां ससरवती एवं स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों के छायाचित्र पर मान्यार्पण करने की अंधीरा में उड़कर युवा अपनी जवानी न गवाएं। राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला

कहा कि जनजाति नायक बीरसा मुण्डा, रानी दुर्गावती, रघुनाथ शाह, शंकर शाह, बादल भोई आदि के जीवन पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को उनके अनुदृष्टि एवं अद्वितीय शौर्य गाथा बताई। साथ ही उनके स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन में दिए गया।

कार्यक्रम में अतिथि के रूप में छिन्दवाड़ा जिला पंचायत के कलेक्टर व संभागों के संभागायुक्त भी बदले जाने हैं। इस बदलाव के कई आधार हो गए। जिनमें जिले में घटित होने वाली बड़ी घटनाओं को नहीं संभाल पाना, प्रशासनिक चूक के कारण घटना होना, नेताओं की वास्तविक नाराजगी का बार-बार सामने आना, खनिज माफिया व अपराधियों की करतूत उत्तराय होना, अलग-अलग स्तर पर कमियों के कारण विपक्ष को मुद्दा मिलना, जैसे बिंदु अहम हो सकते हैं।

सूत्रों के मुताबिक सरकार ने ऐसे कुछ बिंदुओं के आधार पर रिपोर्ट तैयार की है। इस बदलाव के कई आधार हो गए। जिनमें जिले में घटित होने वाली बड़ी घटनाओं को नहीं संभाल पाना, प्रशासनिक चूक के कारण घटना होना, नेताओं की वास्तविक नाराजगी का बार-बार सामने आना, खनिज माफिया व अपराधियों की करतूत उत्तराय होना, अलग-अलग स्तर पर कमियों के कारण विपक्ष को मुद्दा मिलना, जैसे बिंदु अहम हो सकते हैं।

सूत्रों के मुताबिक सरकार ने ऐसे कुछ बिंदुओं के आधार पर रिपोर्ट तैयार की है। इस बदलाव के कई आधार हो गए। जिनमें जिले में घटित होने वाली बड़ी घटनाओं को नहीं संभाल पाना, प्रशासनिक चूक के कारण घटना होना, नेताओं की वास्तविक नाराजगी का बार-बार सामने आना, खनिज माफिया व अपराधियों की करतूत उत्तराय होना, अलग-अलग स्तर पर कमियों के कारण विपक्ष को मुद्दा मिलना, जैसे बिंदु अहम हो सकते हैं।

सूत्रों के मुताबिक सरकार ने ऐसे कुछ बिंदुओं के आधार पर रिपोर्ट तैयार की है। इस बदलाव के कई आधार हो गए। जिनमें जिले में घटित होने वाली बड़ी घटनाओं को नहीं संभाल पाना, प्रशासनिक चूक के कारण घटना होना, नेताओं की वास्तविक नाराजगी का बार-बार सामने आना, खनिज माफिया व अपराधियों की करतूत उत्तराय होना, अलग-अलग स्तर पर कमियों के कारण विपक्ष को मुद्दा मिलना, जैसे बिंदु अहम हो सकते हैं।

सूत्रों के मुताबिक सरकार ने ऐसे कुछ बिंदुओं के आधार पर रिपोर्ट तैयार की है। इस बदलाव के कई आधार हो गए। जिनमें जिले में घटित होने वाली बड़ी घटनाओं को नहीं संभाल पाना, प्रशासनिक चूक के कारण घटना होना, नेताओं की वास्तविक नाराजगी का बार-बार सामने आना, खनिज माफिया व अपराधियों की करतूत उत्तराय होना, अलग-अलग स्तर पर कमियों के कारण विपक्ष को मुद्दा मिलना, जैसे बिंदु अहम हो सकते हैं।

सूत्रों के मुताबिक सरकार ने ऐसे कुछ बिंदुओं के आधार पर रिपोर्ट तैयार की है। इस बदलाव के कई आधार हो गए। जिनमें जिले में घटित होने वाली बड़ी घटनाओं को नहीं संभाल पाना, प्रशासनिक चूक के कारण घटना होना, नेताओं की वास्तविक नाराजगी का बार-बार सामने आना, खनिज माफिया व अपराधियों की करतूत उत्तराय होना, अलग-अलग स्तर पर कमियों के कारण विपक्ष को मुद्दा मिलना, जैसे बिंदु अहम हो सकते हैं।

सूत्रों के मुताबिक सरकार ने ऐसे कुछ बिंदुओं के आधार पर रिपोर्ट तैयार की है। इस बदलाव के कई आधार हो गए। जिनमें जिले में घटित होने वाली बड़ी घटनाओं को नहीं संभाल पाना, प्रशासनिक चूक के कारण घटना होना, नेताओं की वास्तविक नाराजगी का बार-बार सामने आना, खनिज माफिया व अपराधियों की करतूत उत्तराय होना, अलग-अलग स्तर पर कमियों के कारण विपक्ष को मुद्दा मिलना, जैसे बिंदु अहम हो सकते हैं।

सूत्रों के मुताबिक सरकार ने ऐसे कुछ बिंदुओं के आधार पर रिपोर्ट तैयार की है। इस बदलाव के कई आधार हो गए। जिनमें जिले में घटित होने वाली बड़ी घटनाओं को नहीं संभाल पाना, प्रशासनिक चूक के कारण घटना होना, नेताओं की वास्तविक नाराजगी का बार-बार सामने आना, खनिज माफिया व अपराधियों की करतूत उत्तराय होना, अलग-अलग स्तर पर कमियों के कारण विपक्ष को मुद्दा मिलना, जैसे बिंदु अहम हो सकते हैं।

सूत्रों के मुताबिक सरकार ने ऐसे कुछ बिंदुओं के आधार पर रिपोर्ट तैयार की है। इस बदलाव के कई आधार हो गए। जिनमें जिले में घटित होने वाली बड़ी घटनाओं को नहीं संभाल पाना, प्रशासनिक चूक के कारण घटना होना, नेताओं की वास्तविक नाराजगी का बार-बार सामने आना, खनिज माफिया व अपराधियों की करतूत उत्तराय होना, अलग-अलग स्तर पर कमियों के कारण विपक्ष को मुद्दा मिलना, जैसे बिंदु अहम हो सकते हैं।

सूत्रों के मुताबिक सरकार ने ऐसे कुछ बिंदुओं के आधार पर रिपोर्ट तैयार की है। इस बदलाव के कई आधार हो गए। जिनमें जिले में घटित होने वाली बड़ी घटनाओं को नहीं संभाल पाना, प्रशासनिक चूक के कारण घटना होना, नेताओं की वास्तविक नाराजगी का बार-बार सामने आना, खनिज माफिया व अपराधियों की करतूत उत्तराय होना, अलग-अलग स्तर पर कमियों के कारण विपक्ष को मुद्दा मिलना, जैसे बिंदु अहम हो सकते हैं।

सूत्रों के मुताबिक सरकार ने ऐसे कुछ बिंदुओं के आधार पर रिपोर्ट तैयार की है। इस बदलाव के कई आधार हो गए। जिनमें जिले में घटित होने वाली बड़ी घटनाओं को नहीं संभाल पाना, प्रशासनिक चूक के कारण घटना होना, नेताओं की वास्तविक नाराजगी का बार-बार सामने आना, खनिज माफिया व अपराधियों की करतूत उत्तराय होना, अलग-अलग स्तर पर कमियों के कारण विपक्ष को मुद्दा मिलना, जैसे बिंदु अहम हो सकते हैं।

सूत्रों के मुताबिक सरकार ने ऐसे कुछ बिंदुओं के आधार पर रिपोर्ट तैयार की है। इस बदलाव के कई आधार हो गए। जिनमें जिले में घटित होने वाली बड़ी घटनाओं को नहीं संभाल पाना, प्रशासनिक चूक के कारण घटना होना, नेताओं की वास्तविक नाराजगी का बार-बार सामने आना, खनिज माफिया व अपराधियों की करतूत उत्तराय होना, अलग-अलग स्तर पर कमियों के कारण विपक्ष को मुद्दा मिलना, जैसे बिंदु अहम हो सकते हैं।

सूत्रों के मुताबिक सरकार ने ऐसे कुछ बिंदुओं के आधार पर रिपोर्ट तैयार की है। इस बदलाव के कई आधार हो गए। जिनमें जिले में घटित होने वाली बड़ी घटनाओं को नहीं संभाल पाना, प्रशासनिक चूक के कारण घटना होना, नेताओं की वास्तविक नाराजगी का बार-बार सामने आना, खनिज माफिया व अपराधियों की करतूत उत्तराय होना, अलग-अलग स्त